

 सत्यमेव जयते	केंद्रीय कर आयुक्त (अपील) O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL TAX, केंद्रीय कर भवन, सातवीं मंजिल, पोलिटेकनिक के पास, आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015	 7 th Floor, GST Building, Near Polytechnic, Ambavadi, Ahmedabad-380015
 : 079-26305065	टेलिफैक्स : 079 - 26305136	

रजिस्टर्ड डाक ए.डी. द्वारा

क फाइल संख्या : File No : V2(ST)63/Ahd-South/2018-19
Stay Appl.No. /2018-19

6426+06430

ख अपील आदेश संख्या Order-In-Appeal Nos. AHM-EXCUS-001-APP-051-2018-19
दिनांक Date : 03-09-2018 जारी करने की तारीख Date of Issue

18/9/2018

श्री उमा शंकर आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

Passed by Shri. Uma Shanker, Commissioner (Appeals)

ग Arising out of Order-in-Original No. CGST-VI/Div-VI/02/Amba/17-18 दिनांक: 28.03.2018 issued
by Assistant Commissioner, Div-VI, Central Tax, Ahmedabad-South

घ अपीलकर्ता का नाम एवं पता Name & Address of the Appellant / Respondent
Amba Township Pvt. Ltd.
Ahmedabad

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person aggrieved by this Order-In-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन

Revision application to Government of India :

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को की जानी चाहिए।

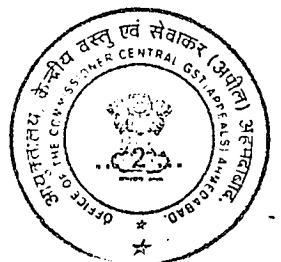
(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रक्रिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transif from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।



(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

(c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

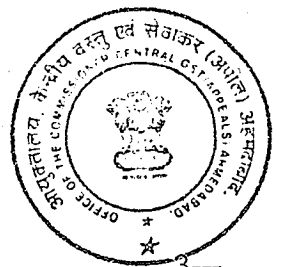
सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(क) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैन्टल हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016

(a) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.



The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

- (3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

- (4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूचि-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

- (5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट), के प्रति अपील के मामले में कर्तव्य मांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग"(Duty Demanded) -

- (i) (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (ii) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (iii) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि.

⇒ यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में, अपील दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the pre-deposit amount shall not exceed Rs.10 Crores. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

इस इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."



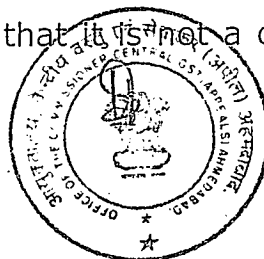
ORDER-IN-APPEAL

M/s. Amba Township Private Limited, B-7, Hightech Appartment, Near HDFC House, Navrangpura, Ahmedabad-380009 [for short - 'appellants'] have filed this appeal against OIO No. CGST-VI/Div-VI/02/Amba/17-18 dated 28.3.2018, passed by the Assistant Commissioner, CGST, Division-VI (Vastrapur), Ahmedabad-South (for short - 'adjudicating authority').

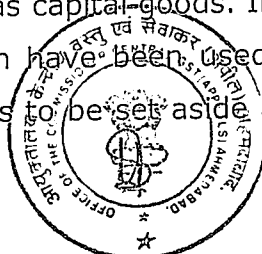
2. Briefly stated, during the audit of the appellants, it was observed that they had availed cenvat credit of Rs. 5,50,020/- on packaged Sub-Station, an electrical equipment which is used to convert high tension voltage to low tension voltage to be used in their output service i.e. construction activity. This item cannot be used in their output activity and they were using the same to regulate electricity supply in households. Or being pointed out, the appellants reversed the cenvat credit without payment of interest as they had not utilised the cenvat credit. Further it was also noticed that though they had maintained separate accounts for receipt and consumption of inputs/input services for taxable and exempted services, they had availed cenvat credit amounting to Rs. 21,939/- on some common input services used for taxable as well as exempted services which was inadmissible to them as per proviso of Rule 6(1) of Cenvat Credit Rules, 2004 (herein after referred to as "CCR"). On being pointed out, the appellants reversed the cenvat credit of Rs. 21,939. A show cause notice dated 29.9.2015 was issued to the appellants alleging *inter alia*, that they had wrongly availed the CENVAT credit in respect of excisable goods. The notice proposed that the CENVAT credit so availed be disallowed proposed penalty under Section 78 of the Finance Act, 1994 and Rule 15 (3) of the CCR on the appellants. vide the impugned OIO, the adjudicating authority he confirmed the demand of Rs. 5,71,959/- and ordered adjustment with the already reversed amount. The adjudicating authority also imposed penalty of Rs. 2,85,980/- on the appellants.

3. Feeling aggrieved, the appellants have filed this appeal against the impugned OIO wherein they have raised the following averments:

- a) that the confirmation of demand of Rs. 5,50,000/- availed on Portable Substation despite the fact that the same is used for providing output services and holding that it is not a capital good is wrong;



- b) that appropriating amount of Rs. 5,50,000/- paid under protest and not granting refund is wrong;
- c) that the show cause notice is issued in violation of Section 73 (3) and CBEC instructions and proceedings have been closed after reversal and intimation thereof;
- d) that the imposing of penalty under Section 78 for suppression merely based on audit findings is wrong when in many cases, courts have held that charge of suppression cannot survive when merely non-payment is found in audit.
4. Personal hearing in the matter was held on 28.08.2018 wherein Shri Punit Prajapati, Chartered Accountant, appeared on behalf of the appellants and reiterated the grounds of appeal. He further stated that the OIO has travelled beyond the show cause notice.
5. I have gone through the facts of the case, the appellant's grounds of appeal, and the oral submissions made during the course of personal hearing. The question to be decided in the present appeal is whether the appellant is eligible for CENVAT credit in respect of alleged capital goods i.e. Portable Substation and availing cenvat credit input services used in exempted output services.
6. First of all I take up the question as to whether the appellant is eligible for CENVAT credit in respect of alleged capital goods i.e. Portable Substation. From the case records available, I find that in Audit Report No. 391/2014-15, the objection of the audit is that the PSS i.e. a transformer is one of the electrical equipments which is used to convert high tension voltage to low tension voltage (mainly 11,000 v to 440 v). Substation is an essential part and directly related to construction activity being undertaken by the appellants as it is incomprehensible to imagine any construction activity being done without the use of electricity. As the function of the transformer is to convert high voltage into low voltage to regulate the electricity as per the requirement and capacity of the machinery or any other thing being used, it becomes essential to have this item in question. Hence I find that the substation is obviously capital good eligible for cenvat credit. As per Rule 2(a) of the CCR, "capital goods" means goods of certain chapters and their components, spares etc and their use. It is not in dispute that the good in question is falling under the chapters given in the definition of the capital goods. The defined goods of particular chapters will qualify as capital goods. In the present case, it is very clear that the goods in question have been used in providing output service. I find the impugned order needs to be set aside and accordingly I set

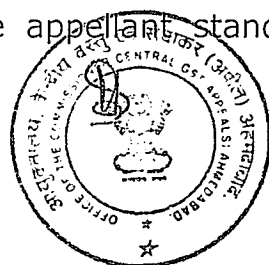


aside the same as far as it is related to confirmation and adjustment of demand of Rs. 5,50,000/- on capital goods.

7. Now I take up the issue of availment of cenvat credit on some common input services used for taxable as well as exempted services which was inadmissible to them as per proviso of Rule 6(1) of CCR. Rule 6 lays down obligation of a manufacturer or producer of final products and a provider of output service and the sub-rule (1) of Rule 6 clearly lays down that (1) The CENVAT credit shall not be allowed on such quantity of input as is used in or in relation to the manufacture of exempted goods or for provision of exempted services or input service as is used in or in relation to the manufacture of exempted goods and their clearance upto the place of removal or for provision of exempted services. There is no ambiguity in the provisions of the rule 6 of the CCR where it has been clearly provided that cenvat credit shall not be allowed on the input services which have been used in providing exempted services. From the documents available with the appeal, I find that the appellants have maintained separate accounts for exempted as well as dutiable output services but availed cenvat credit on the input services used in providing exempted output services. I find no reason to interfere with the impugned order and accordingly I uphold the same as far as it is related to confirmation and adjustment of demand of Rs. 21,939/-.

8. The appellant's contention that they should have been given benefit of Section 73 (3) of the Finance Act, 1994. I find in the issue of availment of cenvat credit on input services which have been used in exempted output services. I find from the case records that the appellants were maintaining separate accounts for exempted as well as dutiable services and it clearly establishes the fact that they were fully aware of the relevant provisions and were in fact following them by maintaining separate accounts. This plea that they were not aware of the provisions does not hold good and cannot be accepted. I therefore uphold the imposition of penalty on the appellants under Rule 15 (3) of the CCR read with Section 78 (1) of the Finance Act, 1994 on this issue of availment of cenvat credit of Rs. 21, 939/-.

10. The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.



अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

उमा शंकर

(उमा शंकर)

केंद्रीय कर आयुक्त (अपील्स)

अहमदाबाद

दिनांक:

सत्यापित

धर्मेंद्र उपाध्याय

अधीक्षक (अपील्स),

केंद्रीय कर, अहमदाबाद

By R.P.A.D.

To:

M/s. Amba Township Private Limited,
B-7,
Hightech Appartment,
Near HDFC House,
Navrangpura,
Ahmedabad-380009

Copy to:-

- (1) The Chief Commissioner, CGST, Ahmedabad Zone,
- (2) The Commissioner, CGST, Ahmedabad (North),
- (3) The Dy./Asth. Comm'r, CGST, Div.-VI, Ahmedabad (South),
- (4) The Dy./Asth. Comm'r (Systems), CGST, Ahmedabad (South),
- (5) Guard File,
- (6) P.A. File.

